एक नजर में

एकलव्य विद्यालय में अतिथि शिक्षकों की भर्ती

गुना। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस), गुना में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अतिथि शिक्षकों (गेस्ट फैकल्टी) के रिक्त पदों पर भर्ती की जानी है। राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति (एनईएसटीएस), नई दिल्ली के निदेर्शानुसार इसके लिए 9 जुलाई 2026 को वॉक-इन-इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा।

इसके तहत अतिथि शिक्षक टीजीटी (संस्कृत) तथा शारीरिक शिक्षा शिक्षक (महिला) के पदों पर भर्ती होगी। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी अपने समस्त शैक्षणिक योग्यता, अनुभव व आवश्यक प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियों तथा स्वप्रमाणित छायाप्रतियों के साथ 9 जुलाई को प्रात: 11 बजे विद्यालय परिसर में उपस्थित हो सकते हैं। टीजीटी संस्कृत के लिए संबंधित विषय में स्नातक, बी.एड. और सीटीईटी अनिवार्य है, जबकि शारीरिक शिक्षा शिक्षक के लिए शारीरिक शिक्षा में स्नातक उपाधि होना आवश्यक है।

राजस्थान के डकैतों का गुना जिले के आधा दर्जन गांवों में तांडव!

लूटपाट की, महिलाओं को धमकाया, वाहनों में की तोड़फोड़

नवभारत न्यूज

गुना 4 जुलाई का। मध्यप्रदेश और राजस्थान की सीमा पर बसे गुना जिले के फतेहगढ़ थाना क्षेत्र में इन दिनों सरहद पार के डकैतों का खुला तांडव चल रहा है। सीमावर्ती ग्राम टकोदिया और उसके आसपास के इलाकों में राजस्थान के बदमाशों ने इस कदर अपनी समानांतर सत्ता कायम कर ली है कि अब स्थानीय ग्रामीण अपने ही घरों में कैद होने को मजबूर हैं।

स्थानीय फतेहगढ़ थाना पुलिस की लचर कार्यप्रणाली और निष्क्रियता से आक्रोशित और डरे-सहमे ग्रामीणों ने आखिरकार धाकड़ समाज के पदाधिकारियों के साथ जिला मुख्यालय पहुंचकर एसपी ऑफिस का घेराव कर दिया। ग्रामीणों का साफ तौर पर आरोप है कि पुलिस की सुस्ती और टालमटोल वाले रवैये के कारण ही सीमा पार के इस गैंग के हौसले सातवें आसमान पर हैं। शनिवार को इन गांवों के लोग जिला मुख्यालय पर एसपी से शिकायत करने पहुंचे। पीड़ितों ने बताया कि दिल दहला देने वाली ताजा वारदात बीते 30 जून की है। राजस्थान के छबड़ा जिले के अंतर्गत आने वाले ग्राम छतरपुरा के रहने वाले शातिर डकैतों के एक हथियारबंद गिरोह ने टकोदिया गांव को निशाना बनाया। बदमाशों ने इस वारदात के लिए उस समय को चुना, जब गांव के अधिकांश पुरुष अपने खेतों में कृषि कार्य के लिए गए हुए थे और घरों में केवल महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग ही अकेले थे। बदमाशों को हथियारों के साथ गांव में दाखिल होते देख पूरे इलाके में चीख-पुकार मच गई। डकैतों का हिंसक रूप देखकर डरी-सहमी महिलाओं ने खुद को कमरों के भीतर बंद कर किसी तरह अपनी आबरू और जान बचाई। इस बीच, बेखौफ बदमाशों ने लक्ष्मी नारायण धाकड के घर को निशाना बनाते हुए एक महिला का मंगलसूत्र छीन लिया और बोलेरो, मोटरसाइकिल सहित घरेलू सामान को नुकसान पहुंचाया गया। बताया जा रहा है कि इस मामले में फतेहगढ़ पुलिस ने पांच लोगों पर फिर तो दर्ज की थी लेकिन अब तक उन्हें गिरफ्तार नहीं कर पाएंगे जिसकी वजह से ग्रामीणों में आक्रोश पनप रहा है।

महिलाओं से अभद्रता, विरोध करने पर ग्रामीणों को लहूलुहान किया

लूटपाट के दौरान जब बदमाशों ने घरों के दरवाजे तोड़ने की कोशिश की, तो अंदर मौजूद महिलाओं के साथ बेहद अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज की गई। इसी बीच शोर सुनकर जब ग्रामीण आनंद प्रकाश और लक्ष्मीनारायण धाकड़ ने मौके पर पहुंचकर बदमाशों को रोकने का साहस दिखाया, तो डकैतों ने उन पर लाठियों और हथियारों से जानलेवा हमला कर दिया। दोनों ग्रामीणों को बेरहमी से पीटकर लहूलुहान कर दिया गया। घटना के बाद घायलों को बमुश्किल अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

खाली हाथ लौटी पुलिस, अब नदी किनारे आकर धमकी दे रहा सरगना

इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाला मोड़ पुलिस की नाकामी के बाद आया है। ग्रामीणों ने बताया कि घटना के तुरंत बाद फतेहगढ़ पुलिस को सूचना दी गई थी। बढ़ते दबाव को देखते हुए फतेहगढ़ पुलिस की एक टीम आरोपियों को दबोचने के लिए राजस्थान के छतरपुरा रवाना भी हुई थी। लेकिन स्थानीय इनपुट और ठोस रणनीति के अभाव में पुलिस टीम वहां से पूरी तरह खाली हाथ लौट आई। पुलिस की इस नाकामी ने डकैतों के हौसलों को हवा दे दी है। बताया जा रहा है कि छतरपुरा निवासी एक विशेष समुदाय का मुख्य आरोपी इस पूरे गिरोह का संचालन कर रहा है। पुलिस के वापस लौटते ही इस सरगना का दुस्साहस इतना बढ़ गया है कि वह अब दिन-दहाड़े गांव के नजदीक तक आ धमकता है। टकोदिया गांव के पास से गुजरने वाली पार्वती नदी के दूसरे छोर (राजस्थान सीमा) पर आकर यह सरगना खड़े होकर ग्रामीणों को सीधे तौर पर देख लेने और अंजाम भुगतने की धमकियां चमकाता है और आसानी से वापस लौट जाता है।

आधा दर्जन गांवों में दहशत का साया

पार्वती नदी के किनारे बसे टकोदिया के अलावा डुमावन, रामनगर, टगरया, भूमलाखेड़ी और चक पारसीखेड़ा जैसे लगभग आधा दर्जन गांवों में इस समय इस विशेष समुदाय के गैंग का जबरदस्त खौफ है। स्थिति यह है कि ग्रामीण अब शाम ढलते ही अपने घरों के दरवाजे मजबूत पत्थरों से बंद कर लेते हैं और पुरुषों का खेतों पर जाना दूभर हो गया है। धाकड़ समाज के पदाधिकारियों ने एसपी को वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए कहा कि यदि मध्यप्रदेश की सीमा में घुसकर आतंक मचाने वाले इन राजस्थान के डकैतों पर तुरंत शिकंजा नहीं कसा गया और ग्रामीणों को चौबीस घंटे सुरक्षा नहीं मिली, तो पूरे क्षेत्र का नागरिक समाज सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करने के लिए विवश होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

हमीरपुर में भैंस चोरी से ग्रामीणों में दहशत 100 से अधिक पशुपालक पहुंचे थाने

फतेहगढ़/गुना। ग्राम हमीरपुर में पिछले दो से तीन वर्षों से लगातार हो रही भैंस चोरी की वारदातों ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। आए दिन होने वाली चोरियों के कारण पशुपालकों में भय और असुरक्षा का माहौल है। इसी समस्या को लेकर शनिवार को गांव के करीब 90 से 100 ग्रामीण एकजुट होकर फतेहगढ़ थाने पहुंचे और थाना प्रभारी को लिखित आवेदन सौंपकर सख्त कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में सक्रिय एक अज्ञात गिरोह सुनियोजित तरीके से वारदातों को अंजाम दे रहा है। पिछले कुछ सालों में गांव और आसपास के इलाकों से लगभग 70 से 80 भैंसें चोरी हो चुकी हैं, जिन्हें कथित तौर पर राजस्थान में बेच दिया जाता है। इससे पशुपालकों को लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है।

ग्रामीणों ने यह भी बताया कि संदिग्ध आरोपियों के पास हथियार होने की आशंका रहती है, जिसके कारण कोई भी जोखिम उठाने की हिम्मत नहीं कर पाता और अब लोग रात-रात भर जागकर अपने पशुओं की रखवाली करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए और क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए। पुलिस ने आवेदन लेकर मामले की जांच और त्वरित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

जमीनी विवाद को लेकर खूनी संघर्ष, हमले में युवक लहूलुहान

गुना। आरोन थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम भौंरा में शनिवार सुबह जमीनी रंजिश को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। खेत से बोनी कर लौट रहे एक युवक पर गांव के ही दबंगों ने लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में युवक गंभीर रूप से घायल और लहूलुहान हुआ है, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में गुना जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, घटना शनिवार सुबह करीब 10 बजे की है। ग्राम भौंरा निवासी 32 वर्षीय राजीव रघुवंशी अपने खेत पर बोनी का कार्य पूरा करने के बाद घर वापस लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे गांव के ही चार से पांच लोगों ने उसे रोक लिया। पुरानी जमीनी रंजिश को लेकर आरोपियों ने राजीव के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। जब राजीव ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने लाठी, डंडों और धारदार हथियारों से उस पर टूट पड़े। अचानक हुए इस हमले में राजीव रघुवंशी गंभीर रूप से घायल हो गया और सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में चोट आने के कारण वह मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा। युवक की चीख-पुकार सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग और परिजन मौके पर दौड़े। ग्रामीणों को आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। परिजन तत्काल खून से लथपथ राजीव को लेकर आरोन शासकीय अस्पताल पहुंचे। यहाँ प्राथमिक डॉक्टरों ने युवक की गंभीर हालत और शरीर से अत्यधिक खून बह जाने के कारण उसे प्राथमिक उपचार देकर तुरंत गुना जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वर्तमान में घायल युवक का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

15 अगस्त तक चलेगा 'माय भारत' युवा पंजीकरण अभियान

गुना। जिले के अधिक से अधिक युवाओं को भारत सरकार के 'माय भारत (मेरा युवा भारत)' पोर्टल से जोड़ने के लिए 1 जुलाई से 15 अगस्त 2026 तक विशेष पंजीकरण अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने जिले के सभी शासकीय व अशासकीय विद्यालयों, और कोचिंग संस्थानों के प्राचार्यों एवं संचालकों को इसमें सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अभियान के तहत प्रत्येक संस्थान में एक 'माय भारत कैंपस ऑफिसर' और 'कैंपस एम्बेसडर' नियुक्त किया जाएगा। इस पोर्टल पर 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा नि:शुल्क ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। इसके बाद उन्हें राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं, नेतृत्व विकास और अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रमों में भाग लें।

ससुराल से प्रताड़ित युवक ने वीडियो बनाते हुए खाया जहर

गुना। फतेहगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम रामनगर में ससुराल पक्ष की प्रताड़ना और पारिवारिक कलह से तंग आकर 28 वर्षीय युवक वल्लभ मीणा ने सल्फास की गोलियां खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इस पूरे मामले में सबसे सनसनीखेज बात यह रही कि आत्मघाती कदम उठाने के दौरान युवक ने स्वयं का एक वीडियो बनाया और एक बेहद भावुक सुसाइड नोट के साथ उसे अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपलोड कर दिया, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार, करीब 8 दिन पहले वल्लभ मीणा के ससुर अपनी बेटी (वल्लभ की पत्नी) को लेने आए थे। इसी दौरान उन्होंने फतेहगढ़ थाने में वल्लभ के खिलाफ एक शिकायती रिपोर्ट दर्ज करा दी थी। इस कानूनी कार्रवाई के बाद से ही दोनों परिवारों के बीच विवाद काफी गहरा गया था। पत्नी के मायके जाने के बाद वल्लभ अपने 5 वर्षीय मासूम बेटे को अपने पास वापस लाना चाहता था, लेकिन उसकी पत्नी इसके लिए तैयार नहीं थी। इसी मानसिक तनाव और पारिवारिक विवाद के चलते बीते 3 जुलाई की शाम करीब 4 बजे वल्लभ ने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। हालत बिगड़ने पर उसे अस्पताल ले जाया गया, जहाँ रात 8 बजे उसने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में ले लिया है। शनिवार को गुना जिला अस्पताल में मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया। फतेहगढ़ पुलिस अब युवक के इस वायरल वीडियो और सोशल मीडिया सुसाइड नोट को साक्ष्य के रूप में संज्ञान में लेकर मामले की बारीकी से जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

वीडियो और सुसाइड नोट में ससुर, साले और सास पर गंभीर आरोप

युवक द्वारा मरने से पहले सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो और सुसाइड नोट में अपने ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। मृतक का कहना था कि उसकी पत्नी के भाई (साले), भाभी और सास उसे लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। उन्हीं के बहकावे में आकर उसकी पत्नी ने फतेहगढ़ थाने में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। वल्लभ वीडियो में रोते हुए सिर्फ अपने बेटे को वापस मांग रहा था, लेकिन ससुराल वालों के दबाव के कारण पत्नी वापस आने को राजी नहीं थी।

हनुमान टेकरी ट्रस्ट, पूर्व मंत्री सिसौदिया के बाद अब ट्रस्टी राजेंद्र अग्रवाल का भी इस्तीफा

गुना। जिले के सबसे बड़े और सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थल श्री हनुमान टेकरी ट्रस्ट न्यास में अंदरूनी हलचल तेज हो गई है। पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह सिसौदिया के बाद अब ट्रस्टी राजेंद्र अग्रवाल ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। शनिवार को ही उन्होंने अपना इस्तीफा ट्रस्ट अध्यक्ष को भेज दिया, जिसने सबको चौंका दिया है।

ट्रस्टी राजेंद्र अग्रवाल ने ट्रस्ट के अध्यक्ष को भेजे गए अपने त्यागपत्र में पद छोड़ने की वजह व्यक्तिगत बताई है। उन्होंने उल्लेख किया है कि उनकी स्वयं की वर्तमान परिस्थितियां और व्यावसायिक व्यस्तताएं ऐसी हैं, जिसके कारण वे ट्रस्ट के कार्यों और व्यवस्थाओं में अपना पर्याप्त समय नहीं दे पा रहे हैं। इसी असमर्थता के चलते उन्होंने शनिवार को अपने पद से त्यागपत्र दे दिया। हनुमान टेकरी ट्रस्ट के लिए यह चार दिन के भीतर दूसरा बड़ा झटका है। इससे पहले बीते 1 जुलाई को ट्रस्ट के संरक्षक और मध्यप्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह सिसौदिया ने अपने पद से अचानक इस्तीफा दे दिया था। पूर्व मंत्री के इस्तीफे की गूंज अभी शांत भी नहीं हुई थी कि शनिवार को राजेंद्र अग्रवाल का इस्तीफा भी सामने आ गया। इन दो बड़े पदाधिकारियों के लगातार पद छोड़ने से ट्रस्ट के भीतर सब कुछ ठीक न होने के संकेत मिल रहे हैं। अचानक आए इन दो बड़े मोहरों के इस्तीफे के बाद अब टेकरी ट्रस्ट की राजनीति में बड़ी तब्दीली की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों की मानें तो अंदरूनी खींचतान अभी थमी नहीं है। अंचल में यह कयास तेजी से लगाए जा रहे हैं कि आने वाले दिनों में ट्रस्ट के कुछ अन्य महत्वपूर्ण पदाधिकारी भी अपने पदों से त्यागपत्र दे सकते हैं। गौरतलब है कि हनुमान टेकरी ट्रस्ट पिछले कई महीनों से लगातार विभिन्न प्रकार की चर्चाओं का केंद्र बना हुआ है। ट्रस्ट की आंतरिक व्यवस्थाओं और निर्णयों को लेकर पूर्व में कई तरह की जानकारियां और सवाल सामने आए थे। इन भ्रामक जानकारियों और विवादों को दूर करने के लिए कुछ दिन पहले ही ट्रस्टियों और पदाधिकारियों ने बकायदा एक संयुक्त पत्रकारवार्ता भी आयोजित की थी, जिसमें सब कुछ सामान्य होने का दावा किया गया था। लेकिन इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के ठीक बाद आए इन दो बड़े इस्तीफों ने डैमेज कंट्रोल की उन तमाम कोशिशों पर पानी फेर दिया है।

10 दिन बाद जंगल में फंदे पर लटका मिला लापता व्यक्ति

गुना। आरोन थाना क्षेत्र के ग्राम देहरी से बीते 10 दिनों से लापता 45 वर्षीय व्यक्ति का शव बिलोनिया के जंगलों में पेड़ से लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान देवेंद्र रघुवंशी के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शनिवार को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया है और मामले की बारीकी से जांच कर रही है।

मृतक के परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम देहरी निवासी देवेंद्र रघुवंशी का गांव में मकान बन रहा था। निर्माण कार्य के लिए सीमेंट, सरिया और अन्य जरूरी सामान खरीदने वे 24 जून की सुबह करीब 10 बजे गुना आए थे। उन्होंने गुना के बाजार से सारा सामान खरीदकर ट्रैक्टर में लोड करवाया और उसे गांव के लिए रवाना कर दिया। इसके बाद देवेंद्र स्वयं घर नहीं लौटे और रहस्यमय तरीके से लापता हो गए। जब देवेंद्र काफी समय तक घर नहीं पहुंचे, तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। कोई सुराग न मिलने पर अगले ही दिन परिजनों ने कैंट थाने में उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इसके बाद से कैंट पुलिस और परिजन लगातार उनकी खोजबीन में जुटे हुए थे। शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे एक राहगीर ने बिलोनिया के जंगल में एक पेड़ से शव लटका हुआ देखा, जिसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची कैंट पुलिस ने शव को नीचे उतारा और शिनाख्त होने पर परिजनों को सूचित किया। परिजनों और रिश्तेदारों ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव की पहचान की। शुरूआती पड़ताल में सामने आया है कि मृतक पूरी तरह से संपन्न थे। उन पर किसी प्रकार का कोई कर्ज या मानसिक दबाव नहीं था, और न ही गांव या बाहर किसी से उनकी कोई रंजिश थी।

एसडीएम ने की राजस्व कार्यों की समीक्षा

गुना। एसडीएम आरोन मंजुषा खत्री द्वारा तहसील के समस्त पटवारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक लेकर राजस्व एवं अन्य विकास कार्यों की पटवारीवार विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में उन्होंने प्रत्येक पटवारी से उनके हल्के से संबंधित जमीनी जानकारी प्राप्त की। एसडीएम ने सख्त निर्देश दिए कि सभी राजस्व प्रकरणों और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत प्राप्त आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही, उन्होंने वषार्काल के मद्देनजर किसी भी आपदा या क्षेत्र में घटित होने वाली अप्रिय घटना की तत्काल सूचना प्रशासन को देने तथा अपने-अपने हल्कों में सतत संपर्क और सक्रिय निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।

सहकार भारती ने मनाया अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस, उत्कृष्ट समितियां हुईं सम्मानित

गुना। स्थानीय जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में शनिवार को सहकार भारती द्वारा अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता और सहकार भारती के संस्थापक डॉ. लक्ष्मण राव इनामदार के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई।

मुख्य अतिथि आरएसएस के क्षेत्रीय कार्यवाह अशोक अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सृष्टि से लेकर मानव शरीर का संचालन भी सहकारिता के बिना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को प्रथम अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सहकारिता क्षेत्र में ईमानदारी से कार्य करना होगा, ताकि हर व्यक्ति स्वावलंबी और आर्थिक रूप से संपन्न हो सके। प्रधानमंत्री ने इसी उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर पर सहकारिता मंत्रालय का गठन कर अमित शाह को इसकी कमान सौंपी है। कार्यक्रम के दौरान जिले में उत्कृष्ट कार्य कर रही विभिन्न सहकारी समितियों को शाल, श्रीफल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला संयोजक बारेलाल धाकड़ ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में नवीन शर्मा, विजय गुप्ता, प्रकाश श्रीवास्तव और नंदकिशोर किरार मौजूद रहे। संचालन महामंत्री राघवेंद्र दुबे ने किया।

उधार चुकाने के बाद भी हड़प ली आदिवासी की जमीन

अनपढ़ की भूमि पर दबंगों का कब्जा, न्याय के लिए एसपी ऑफिस पहुंचा पीड़ित

नवभारत न्यूज

गुना। कर्ज के जाल में फंसाकर एक निरक्षर आदिवासी की कीमती जमीन और ट्यूबवेल हड़पने का बेहद गंभीर मामला सामने आया है। आरोन थाने में कोई सुनवाई न होने से हताश होकर पीड़ित आदिवासी युवक ने जिला मुख्यालय पहुंचकर एसपी से न्याय और अपनी पैतृक भूमि वापस दिलाने की गुहार लगाई है। दबंगों ने न केवल उसकी जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया है, बल्कि विरोध करने पर उसके साथ मारपीट भी की गई है।

मामला आरोन थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 1 का है। यहाँ के निवासी बृजेश सहरिया पुत्र रामचरन सहरिया के पास भूदान की 5 बीघा कृषि भूमि थी। पीड़ित बृजेश के अनुसार, कुछ समय पूर्व उसने अपनी पारिवारिक आवश्यकताओं के चलते आरोन थाना क्षेत्र के ही ग्राम चिरौला निवासी लाखन मीना और राजू मीना से एक लाख रुपए उधार लिए थे। बृजेश का दावा है कि वह पूरी ईमानदारी के साथ आरोपियों को मूलधन और ब्याज मिलाकर अब तक कुल 1 लाख 10 हजार रुपए वापस भी लौटा चुका है। इसके बावजूद आरोपियों की नीयत खराब हो गई और उन्होंने रकम मिलने के बाद भी उसकी जमीन छोड़ने से साफ इनकार कर दिया। जालसाजी के बाद आरोपियों ने दबंगई दिखाते हुए बृजेश की लगभग एक बीघा जमीन और उस पर लगे पानी के ट्यूबवेल पर जबरन कब्जा कर लिया। जब पीड़ित किसान ने अपनी ही जमीन पर जाने और खेती करने का प्रयास किया, तो आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए बेरहमी से मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया।

केसीसी का झांसा देकर दस्तावेजों पर करा लिए दस्तखत

पीड़ित बृजेश सहरिया ने एसपी को अपनी व्यथा सुनाते हुए बताया कि वह पूरी तरह अनपढ़ और सीधा-साधा है। इसी का फायदा उठाकर आरोपियों ने उसे किसान क्रेडिट कार्ड बनवाने का झांसा दिया। बैंक से लोन पास कराने के बहाने आरोपी उसे अपने साथ ले गए और कुछ सरकारी व कानूनी दस्तावेजों पर लिखा-पढ़ी कराते हुए उसके अंगूठे के निशान और दस्तखत ले लिए। चूंकि बृजेश पढ़ना-लिखना नहीं जानता था, इसलिए उसे भनक भी नहीं लगी कि केसीसी के नाम पर उसकी जमीन की हेराफेरी के कागजात तैयार कराए जा रहे हैं।

थाने में नहीं हुई सुनवाई, अब एसपी से न्याय की आस

बृजेश का आरोप है कि इस धोखाधड़ी और मारपीट की शिकायत लेकर वह सबसे पहले स्थानीय आरोन पुलिस थाने पहुंचा था। लेकिन वहां पदस्थ पुलिसकर्मियों ने उसकी शिकायत पर कोई ध्यान नहीं दिया और न ही आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस दंडात्मक कार्रवाई की। स्थानीय स्तर पर सुनवाई न होने से परेशान होकर आखिरकार उसे एसपी की शरण लेनी पड़ी।

परिशिष्ट B- संख्याक 13
जिला एवं सत्र न्यायालय, गुना
षष्टम जिला न्यायाधीश, गुना

नोटिस प्रकाशन हेतु उत्तराधिकार

एमजेसी एसयूसी/22/2026
गजेन्द्र शर्मा बनाम सर्वसाधारण
NEXT DATE : 20-08-2026

प्रेषिती-सर्वसाधारण

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक गजेन्द्र शर्मा पता - नयापुरा गुना जिला गुना मध्यप्रदेश ने मृतक स्व० बृजमोहन पुत्र जगन्नाथ शर्मा निवासी- ग्राम झागर हाल निवासी- नयापुरा गुना जिला गुना म०प्र० की सम्पूर्ण चल व अचल सम्पत्ति का वारिस घोषित किये जाने हेतु, राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकार अथवा अभिभावक/संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 20-08-2026 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किए जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 20-08-2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहे। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवाई एकपक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तारीख 25-06-2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

सुरेश कुमार सूर्यवंशी
षष्ठम जिला न्यायाधीश

टिप्पणी:- अधिक जानकारी वेबसाइट **ecourts.gov.in** अथवा मोबाइल एप **eCourts Services (Android or iOS)** से प्राप्त की जा सकती है।

कृपया ध्यान दें:- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जावेगा।